

भारत का राजपत्र  
The Gazette of India



असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—पार्ट 3—उप-वर्ष (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 145] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 2, 1990/चैत्र 12, 1912  
No. 145] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 2, 1990/CHAITRA 12, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
एक आ सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विनायक भवालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिकृतना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1990

सं. 101/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां. का० नि० 433(भ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधि-  
नियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5-की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत

सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं० 175/86-केन्द्रीय उत्पाद-  
मूल्क, तारीख 1 मार्च, 1986 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, प्रथात् :—

उक्त प्रधिसूचना में, पैरा 1 और 2 में, शब्दों “रुपए साठ लाख”, जहाँ वे प्राप्त हैं,  
के स्थान पर शब्द “रुपए पच्चपन लाख” रखे जाएंगे।

[फा. सं. शी-30/1/90-टी.आर.यू.]  
आर. के. महाजन, अवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd April, 1990

NO. 101/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 433(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 175/86-Central Excises, dated the 1st March, 1986, namely :—

In the said notification, in paragraphs 1 and 2, for the words “rupees sixty lakhs”, wherever they occur, the words “rupees fifty five lakhs” shall be substituted.

[F. No. B-30/1/90-TRU]  
R. K. MAHajan, Under Secy.